राजकीय महाराज आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर

प्रगति रिपोर्ट

दिनांक 29-10-2018 को महाविद्यालय में विशिष्ट व्याख्यानमाला के अन्तर्गत 'शब्द एवं अर्थ सम्बन्ध' विषय पर प्रो. जीवन शर्मा, पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर (राज.) का सरल एवं सारगर्भित व्याख्यान रहा।

प्रो. शर्मा ने कहा कि शब्द ब्रह्म ही अर्थ रूप में प्रतिभासित होता है। सिद्धे शब्दार्थ सम्बन्धे कात्यायन के इस वार्तिक की व्याख्या करते हुए शब्दार्थ सम्बन्ध तथा उसकी नित्यता को स्पष्ट किया। कार्यक्रम में लगभग 55 विद्यार्थियों की उपस्थिति रही।

प्राचार्य द्वारा आगन्तुक अतिथियों का स्वागत किया गया। IQAC समन्वयक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

(डॉ. शील चौधरा)